Publication	Navbharat Times
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	01
Date	5th June 2021

NBT
नवभारत टाइम्स

कोरोना की तीसरी लहर की तैयारी, बच्चों के लिए अस्थायी अस्पतालों में होंगे इंतजाम

■ प्रमुख संवाददाता, गुड़गांव

कोरोना की दूसरी लहर ने जिले में खूब कहर बरपाया। अब विशेषज्ञों ने तीसरी लहर में बच्चों के प्रभावित होने की आशंका जताई है। ऐसे में जिले में भी प्लानिंग शुरू हो गई है। यहां संक्रमितों के इलाज के लिए बनाए गए अस्थायी अस्पतालों में जरूरत पड़ने पर बच्चों के इलाज के प्रबंध किए जाएंगे। शहर के बड़े हॉस्पिटलों की ओर से भी अपने यहां पूरे इंतजाम होने का दावा किया जा रहा है। प्रशासन की ओर से कुछ जगहों पर बच्चों के लिए अलग से विशेष वॉर्ड बनाने की भी योजना बनाई जा रही है। दूसरी ओर कुछ गांव में 5-5 ऑक्सिजन बेड दिए जाने की भी प्लानिंग है।

गांव में 5 ऑक्सिजन बेड देने की तैयारी : एमथ्रीएम फाउंडेशन की ट्रस्टी डॉ. पायल कनोडिया ने बताया कि फांउडेशन की ओर से शहरी क्षेत्र के आसपास के ऐसे गांव, जहां ऑक्सिजन बेड का यूज हो सकता है और काफी जरूरत है, उनका पता लगाने के लिए सर्वे किया जा रहा है। जिसके में जिन गांव का पता लगेगा वहां पांच-पांच बेड उपलब्ध दिए जाएंगे।

> मरीजों के उपचार, दवा सहित ऑक्सिजन आदि सभी तैयारियां समय रहते पूरी की जा रही हैं। कोरोना की तीसरी लहर आने की आशंका जताई जा रही है, ऐसे में यही प्राथमिकता है कि भविष्य में किसी को भी ऑक्सिजन, दवा और हॉस्पिटल में बेड की कमी न हो। - *डॉ. यश गर्ग, उपायुक्त गुड़गांव*

डॉक्टरों के साथ दवाइयों की भी होगी व्यवस्था

: नागरिक हॉस्पिटल में बाल रोगियों के लिए तमाम इंतजाम किए जा चुके हैं, जबकि अब जिले में बाल रोग विशेषज्ञों की सूची बनाई जा रही है, ताकि समय रहते उनसे संपर्क किया जा सके। इसके अलावा किन दवाइयों की जरूरत पड़ सकती है, उसका इंतजाम किया जाना शुरू कर दिया गया है।

3 अस्थाई हॉस्पिटल चल रहे हैं

: सेक्टर-67 में एमथ्रीएम, वायुसेना और टीआईआई के सहयोग से 300 बेड का अस्थायी कोविड हॉस्पिटल चल रहा है। इसी तरह ताऊ देवीलाल स्टेडियम और सेक्टर-14 स्थित गर्ल्स कॉलेज में भी अस्थायी हॉस्पिटल चल रहे हैं। बताया जा रहा है कि अब संक्रमितों की संख्या कम होने पर फिलहाल इन अस्थायी हॉस्पिटलों को बंद नहीं करने की योजना है।

बच्चों के लिए बनाया जा रहा 100 बेड का वॉर्ड

पायल कनोडिया ने बताया कि सेक्टर-67 में चल रहे अस्थाई हॉस्पिटल में 100 बेड का विशेष वार्ड बनाए जाने का कार्य किया जा रहा है। जरूरत पड़ने पर बच्चों के इलाज के लिए क्या इक्विपमेंट व दवाओं की जरूरत होगी इसके लिए डॉक्टर्स की टीम जुटी हुई है। बच्चों के साथ उनके पैरंट्स को भी दिक्कत न हो इसके लिए भी प्रबंध किए जाने की प्लानिंग हैं।